दैनिक भास्कर
DainikBhaskar.com

18 लाख की नकली नोट छापी, गलती रह गई, फिर छापी तो पकड़े गए / 18 लाख की नकली नोट छापी, गलती रह गई, फिर छापी तो पकड़े गए

मध्यप्रदेश में नोट छापकर वडोदरा लाए जाने पर पकड़े गए, 200 रुपए के नकली नोट छापने की थी योजना।

Feb 16, 2018, 01:16 PM IST

पुलिस ने नकली करंसी का जखीरा बरामद किया।

वडोदरा। शहर के सोमा तालाब के चौराहे के पास 3 लाख के अलावा फर्जी नोट के साथ 4 लोग पकड़े गए। इनमें से एक इंदौर का सुनील पाटिल केवल सातवीं तक पढ़ा है, पर बोगस करंसी छापने में उसकी मास्टरी है। इसी आरोप में वह इसके पहले 14 साल की सजा भी काट चुका है। अभी डेढ़ महीने पहले ही वह पेराेल पर छूटा है। **डेढ़ महीने में छापी 18 लाख की करंसी...**

सुनील पाटिल ने पेरोल से रिहा होने के बाद डेढ़ महीने में ही 18 लाख की करंसी छापी। पर नोट में सिक्योरिटी थ्रेड के मामले पर वह गच्चा खा गया। आखिर में उसने बिलकुल असली दिखने वाली करंसी बनाई। शहर पुलिस कमिश्नर मनोज शशिधर ने बताया कि एसओजी पीआई एचएम चौहान और टीम ने सूचना के आधार पर साेमा तालाब के पास चौराहे पर इंदौर के सुनील पाटिल, कलाराणी गांव के नरेश प्रजापति और उसके बेेटे कृषित प्रजापति को उसके साथियों मजीद मकराणी को 3 लाख 2000 की नकली नोट के साथ पकड़ लिया।

पेशेवर अपराधी है सुनील

सुनील पाटिल मूल रूप से महाराष्ट्र का निवासी है। किसी अपराध में शामिल होने पर वह मां के साथ इंदौर शिफ्ट हो गया। इंदौर में आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण उसने नकली करंसी छापनी शुरू कर दी। पकड़े जाने पर उसे 14 साल की सजा हो गई। नरेश और सुनील एक-दूसरे को पहले से ही जानते थे। सुनील जब जेल से पेरोल पर बाहर आया, तो नरेश के सहयोग से उसने फिर नकली करंसी छापनी शुरू कर दी। मध्यप्रदेश में नोट छापकर वे उसे वितरित करने के लिए वडोदरा आए थे। सुनील के पास से पुलिस ने एक देशी पिस्तौल और दो कारतूस बरामद किए थे। सुनील के इंदौर स्थित घर में छापा मारे जाने पर पुलिस ने वहां से दो लेपटॉप, 2 प्रिंटर, एक स्केनर, विविध रंग, ब्लेड्स और फोकस लाइट बरामद की। पुलिस ने 2000 के 126 और 500 के 100 बाेगस नोट बरामद किए। सुनील समेत चारों को पकड़कर उनसे और भी पूछताछ की जा रही है।

कर्ज बढ़ जाने के कारण नरेश सुनील से जुड़ा

नरेश गड़बड़दास प्रजापति पर काफी कर्ज हो गया था। तब उसे शार्टकट से पैसा कमाने के लिए सुनील के साथ हो लिया। पहले तो उसने सुनील के लिए नोट छापने के सारे संसाधन जमा किए। कई चीजें ऑनलाइन मंगाई। इसमें उसके बेटे कृषिल ने भी सहयोग किया। मोहसिन मजीट मकरानी भी उनकी मदद के लिए आ गया। इन चारों को 5 दिन की रिमांड पर भेज दिया गया है। ये लोग 50 हजार असली नोट के एक लाख के नकली नोट देते थे। इनकी योजना 200 रुपए के नकली नोट बनाने की थी।

Source: https://www.bhaskar.com/news/GUJ-VAD-OMC-LCL-fake-currency-spread-network-cough-vadodara-sog-police-5813691-PHO.html